सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 206 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 2 सितम्बर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

आइये हम अपने आज का बलिदान कर दें ताकि हमारे बच्चों का कल बेहतर हो सके।

-डॉ. अब्दुल कलाम

टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से मिचेल स्टार्क... 7 | अब एसआईआर पर बंगाल में... 3 | घबराई भाजपा सरकार अब चीन... 2

आरक्षण की मांग या तख्ता पलटने की साजिश!

'किसी भी कीमत पर मुंबई से नहीं हटूंगा'

» जरांगे के आंदोलन को केन्द्रीय मंत्री रामदास आठवाले का समर्थन

» क्या महाराष्ट्र सरकार को अस्थिर करने की कोशिशों में आठवाले?

जरांगे ने आम आदमी को हुई परेशानी के लिए माफी मांगी

मराठा आरक्षण आंदोलन नेता मनोज जरांगे ने मुंबई की सड़कों पर कुछ समर्थकों द्वारा किए गए दुव्यवहार और आम लोगों को हुई परेशानी के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट से माफी मांगी है। हालांकि, अदालत ने कहा कि जरांगे और उनके समर्थकों ने कानून का उल्लंघन किया है, इसलिए उन्हें तुरंत आजाद मैदान खाली करना होगा। अदालत ने जरांगे और समर्थकों को आज दोपहर तीन बजे तक आजाद मैदान खाली करने के लिए कहा है। अदालत ने चेतावनी दी की अगर वह मैदान खाली नहीं करते हैं, तो उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें कठोर जुर्माना और अवमानना की कार्रवाई भी शामिल है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति आरती साठे जरांगे की पीठ ने कहा कि वह दोपहर 3 बजे तक पूरी तरह सामान्य स्थिति बहाल करना चाहती है, और अगर ऐसा नहीं हुआ, तो वे भी सड़कों पर उतरेंगे। अदालत ने कहा कि जरांगे और उनके समर्थकों ने कानून का उल्लंघन किया है। इसलिए उन्हें बिना अनुमति के आजाद मैदान पर कब्जा करने का कोई अधिकार नहीं है। अदालत ने कहा, यह एक बहुत ही गंभीर स्थिति है। हम राज्य सरकार से भी संतुष्ट नहीं हैं। ऐसा लगता है कि सरकार की ओर से भी कुछ चूक हुई है।

आर-पार की स्थिति में पहुंचा मराठा आंदोलन

» मुंबई के आजाद मैदान में डटे जरांगे, बोले मेरी लाश यहां से जाएगी

» मंत्री ने जारंगे को बताया मराठा छत्रप

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबइ। महाराष्ट्र इन दिनों तपते सूरज से नहीं बल्कि मराठा आरक्षण की मांग की आग से झुलस रहा है। जलते तवे पर पानी की बूंद बनकर गिरे मनोज जरांगे का आंदोलन अब उबाल मार रहा है। जारंगे का मुंबई से न हटने का एलान अब राजनीतिक गलियारों में गूंजती रणभेरी है। जरांगे के आंदोलन ने न सिर्फ फडणवीस सरकार की नींद उड़ा दी है बल्कि सत्ता के गलियारों में छिपी दरारों को भी उजागर कर दिया है।

सवाल यह है कि यह आंदोलन महज़आरक्षण की मांग है या इसके बहाने महाराष्ट्र की राजनीति का तखूता पलटने की साजिश रची जा रही है? केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले भी इस आग में कूद गये हैं और मराठा आरक्षण आंदोलन के अगुवाकार को खुला समर्थन दे दिया है। उनके समर्थन के एलान के बाद सीएम फडणवीस का बयान

चर्चा का केन्द्र बिंदू बन गया है जिसमें उन्होंनें जारंगे के कंधे पर बंदकू रखकर चलाने की बात कही थी।

रामदास आठवाले ने मनोज जरांगे पाटिल की लोकप्रियता की सराहना की है। उन्होंने कहा कि जरांगे मराठा समुदाय के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक हैं। रामदास अठावले ने कहा है कि मराठा समुदाय उन्हें अपना नेता मानता है और उनके एक आह्वान पर हजारों लोग मुंबई में विरोध प्रदर्शन के लिए एकत्र हुए हैं। उन्होंने मांग की है कि मराठा समुदाय को आरक्षण मिलना चाहिए। आठवाले ने प्रशासन से आग्रह किया है कि प्रदर्शनकारियों के साथ संवेदनशीलता और संयम के साथ व्यवहार किया जाए। मराठा आरक्षण का मुद्दा महाराष्ट्र में लंबे समय से चर्चा का केंद्र रहा है। मराठा समुदाय जो सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़ा माना जाता है शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण की मांग कर रहा है। मनोज जरांगे पाटिल ने इस आंदोलन को नई दिशा दी है और उनके नेतृत्व में समुदाय ने कई बड़े प्रदर्शन किए हैं। केंद्र और राज्य सरकार को इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा है कि बातचीत से ही इस जटिल मुद्दे का हल निकल सकता है।

मराठा आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन का नेतृत्व कर रहे मनोज जरांगे पाटिल ने देवेंद्र फडणवीस सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए है। जारंगे ने ऐलान किया है कि वह किसी भी कीमत पर मुंबई से नहीं हटेंगे। जरांगे ने कहा कि उनका आंदोलन बीते दो वर्षों से पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से चल रहा है लेकिन सरकार गरीबों की पीड़ा को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने कहा कि हमने नियमों का पालन करते हुए पिछले दो सालों से आंदोलन किया है। अगर सरकार गरीबों को भूल जाएगी तो वह गरीबों के दर्द को भी भूल जाएगी। हमें न्याय पर भरोसा है। कोर्ट के आदेश पर हमने सारी गाड़ियां हटा दीं। फिर भी सरकार हमारे खिलाफ जा रही है। जरांगे ने कहा कि अब तक 58 लाख लोगों का पंजीकरण हो चुका है लेकिन कुनबी प्रमाणपत्र जारी नहीं किए गए हैं।

आग में घी कौन डाल रहा है?

महाराष्ट्र की विपक्षी पार्टियों खासकर कांग्रेस और शिवसेना को यह आंदोलन संजीवनी की तरह मिला है। कांग्रेस और एनसीपी शरद पवार गुट, शिवसेना यूबीटी जानते हैं कि जारंगे का आंदोलन अगर लंबे समय तक चला तो शिंदे-फडणवीस सरकार की पकड़ ढीली हो जाएगी। वहीं बीजेपी के भीतर भी सब कुछ गुलाबी नहीं है। कई नेता मानते हैं कि फडणवीस का बयान आग बुझाने की बजाय उसे और भड़का सकता है।

फडणवीस पर कोर्ट में झूठ बोलने का आरोप

जरांगे पाटिल ने स्पष्ट कहा कि वह मुंबई से तब तक नहीं जाएंगे जब तक प्रमाणपत्र नहीं दिए जाते। अगर आजाद मैदान के बाहर लड़कों पर लाठीचार्ज किया गया तो यह सरकार की छवि को धूमिल करेगा। मैं यहां से हटने वाला नहीं हूं। उन्होंने कहा है कि यह लड़ाई शांतिपूर्वक लड़नी है मैं मरते दम तक मुंबई नहीं छोड़ूगा। जरांगे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर कोर्ट में झूठे सबूत पेश करने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि इसके परिणाम उन्हें भी भुगतने होंगे। उन्होंने आगे कहा कि आंदोलन के पहले दिन से ही वे सरकार के साथ बातचीत को तैयार हैं लेकिन समाधान निकले बिना वे पीछे नहीं हटेंगे।

घबराई भाजपा सरकार अब चीन की शरण में पहुंची : अखिलेश यादव

सपा प्रमुख का आरएसएस पर तीखा प्रहार, बोले- संघ की वजह से विदेश नीति को हुआ नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख ने एकबार फिर भाजपा और संघ पर तीखा प्रहार किया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा-आरएसएस ने भारत की विदेश नीति को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। दुनिया के तमाम मित्र देशों ने साथ छोड़ दिया है। अभी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पड़ोसी देश भी साथ नहीं खड़े हुए। तब हमलावर पाकिस्तान को चीन हर प्रकार की मदद कर रहा था। जिस अमेरिका से बड़ी दोस्ती थी, उसने व्यापार पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के साथ ही और कड़े आर्थिक प्रतिबंधों की धमकी दी है। घबराई भाजपा सरकार अब चीन की शरण में पहुंच गई है।

अखिलेश सोमवार को सपा मुख्यालय पर विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हिंदी-चीनी भाई-भाई के नारे का हश्र हम 1962 में देख चुके है। चीन की निगाहें हमेशा भारत भूमि पर रही है। उसने रिजंगला में भारत के वार मेमोरियल को तोड़ दिया। फाइव फिंगर छीन लिए। पेंगान लेक पर कब्जा कर लिया।

भारत की हजारों वर्ग मील जमीन उसके कब्जे में है। फिर दोनों देशों में वार्ताएं किसलिए हो रही हैं। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भारत, अमेरिका से व्यापार में फायदा उठा रहा था, जबकि चीन से व्यापार में भारत को घाटा हो रहा है। चीन के सामान से भारत के बाजार पहले से पटे पड़े हैं, अब नई डील से तो उसका भारतीय बाजार में पूरा दखल हो जाएगा।

रूस से ऊंची जातियों के लोग सस्ता तेल खरीद कर मुनाफा कमा रहे: उदित राज

तेल पर अमेरिका के ब्राह्मण वाले बयान के पक्ष में कांग्रेस नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व सांसद और कांग्रेस नेता उदित राज ने व्हाइट हाउस के ट्रेड एडवाइजर पीटर नवारो के उस बयान का समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि यूक्रेन में युद्ध के बावजूद भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने से ब्राह्मणों को फायदा हो रहा है। उदित राज ने लिखा कि वह व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो से पूरी तरह सहमत हैं।

उन्होंने कहा कि प्राइवेट भारतीय तेल रिफाइनर ऊंची जाति के हैं, तथाकथित निचली जातियों को तेल रिफाइनर के पद तक पहुंचने में दशकों या सदियां लग सकती हैं। उदित राज ने अपने पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया। उदित राज ने लिखा, मैं पीटर नवारो से पूरी तरह सहमत हूं। ज्ञात रहे कि पीटर नवरो ट्रंप के सलाहकार हैं। उन्होंने ने कहा रूस से ब्राह्मण सस्ता तेल ख़रीद कर मुनाफा कमा रहें है और इसका फ़ायदा आम जानता को नहीं मिल रहा है । दरअसल, निजी भारतीय तेल शोधक ऊंची जातियों से हैं और तथाकथित निचली जातियों को तेल शोधक बनने में दशकों, शायद सदियों लग जाएंगे। यह सच है कि ऊंची जातियों के कॉर्पोरेट घराने रूस से सस्ता तेल खरीद रहे हैं और शोधन के बाद उसे दूसरे देशों को बेच रहे हैं। भारतीयों को इससे कोई फ़ायदा नहीं हो रहा है।

संकट की घड़ी में विपक्ष राजनीतिक रोटियां सेंकने में व्यस्त : सीएम सुक्खू

मुख्यमंत्री ने कहा- विपक्ष को अपने वरिष्ठ नेता शांता कुमार से सीख लेकर ओछी राजनीति करने के बजाए सार्थक योगदान देना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि भाजपा पर वह कुछ कहना उचित नहीं समझते, परंतु उनका व्यवहार बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और प्रदेश के हित में नहीं है। संकट की इस घड़ी में, जब प्रभावित परिवारों के साथ खड़े होने की ज़रूरत है, विपक्ष राजनीतिक रोटियां सेंकने में व्यस्त है। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि भाजपा को इतनी सद्बुद्धि प्राप्त हो कि उनके नेता जनता के दुख-दर्द को गहराई से समझ सकें। विपक्ष को अपने वरिष्ठ नेता शांता कुमार से सीख लेकर प्रदेश हित में सोचते हुए ओछी राजनीति करने के बजाए सार्थक योगदान देना चाहिए।

सीएम ने कहा कि कहा कि आपदा में घर, पशुधन और खेती-बाड़ी को भारी नुकसान पहुंचा है। हमारी सरकार इस कठिन

समय में प्रभावित भाइयों-बहनों के साथ खड़ी है। हम पुनर्वास के कार्य में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी चंबा से पैदल ही भरमौर पहुंचकर हालातों की समीक्षा कर रहे हैं। सुविधाओं की बहाली के लिए मशीनरी और संसाधन तुरंत उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। आवश्यकता पड़ने पर एयरफोर्स के हेलीकॉप्टरों की मदद से पोकलैंड और जेसीबी प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाई जाएंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए एयरफोर्स के दो विमान तैनात किए गए हैं। जैसे ही मौसम अनुकूल होगा, हम राहत एवं बचाव कार्य और तेजी से आगे बढ़ाए जाएंगे।

भाजपा सरकार का बाढ़ प्रबंधन में घोर लापरवाही : रणदीप सुरजेवाला

कांग्रेस नेता ने बीजेपी पर बोला हमला, हरियाणा को राहत दी जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कैथल। कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने हरियाणा की सरकार और केंद्र सरकार पर बाढ़ प्रबंधन में घोर लापरवाही का आरोप लगाया है। कैथल से प्रेस बयान जारी करते हुए रणदीप सुरजेवाला ने सवाल उठाया कि क्या बीजेपी सरकार चुटकुले सुनाने और ठहाके लगाने में मस्त है, जबकि हरियाणा की जनता बाढ़ की मार से त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रही है?

रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि यमुना, घग्गर, और टांगरी नदियों के उफान ने अंबाला, कुरुक्षेत्र, कैथल, यमुनानगर, करनाल, पानीपत, सोनीपत, हिसार और जींद जैसे जिलों में भयावह स्थिति पैदा कर दी है। करीब तीन लाख एकड़ में फैली धान, गन्ना और अन्य फसलें पूरी तरह नष्ट हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि अंबाला में टांगरी नदी के उफान से 10 हजार लोग प्रभावित हुए, कैथल

में एक हजार एकड़ और रोहतक में 1200 एकड़ फसलें डूब गईं। हिसार में 57 गांवों की 80,190 एकड़ और जींद में दो हजार एकड़ फसलें बर्बाद हो गईं। कैथल के गुहला-चीका में घग्गर के तटबंध टूटने से छह गांवों में घग्गर का पानी आ गया है। जबकि रोहतक में एनएच-एक पर दो फीट पानी जमा होने से 60 गांवों का संपर्क टूट गया। सुरजेवाला ने ड्रेनेज सिस्टम के चरमराने और तटबंधों की कमजोरी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में बीजेपी सरकार ने तटबंधों को मजबूत करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। हर मानसून में हरियाणा को बाढ़ का दंश झेलना पड़ता है, और सरकार सिर्फ तमाशा देख रही है। क्या यह जनता के साथ विश्वासघात नहीं है?

सीएम सैनी पर बोला हमला

रणदीप सुरजेवाला ने बीजेपी सरकार की निष्क्रियता पर कड़े सवाल उठाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी चुटकुले सुनाने और हंसी-मजाक में व्यस्त हैं, जबकि हरियाणा की जनता बाढ़ की त्रासदी से जूझ रही है। बाढ़ की चेतावनी के बावजूद नदियों और नालों की सफाई समय पर नहीं हुई। हथनीकुंड बैराज से पानी छोड़े जाने की जानकारी पहले से थी, लेकिन प्रशासन ने निचले इलाकों में अलर्ट जारी करने में कोताही बरती। नतीजा, गांवों में पानी घुस गया और लोग अपनी जान-माल बचाने के लिए भटक रहे हैं।

सुरजेवाला ने मांग की कि बाढ़ प्रभावित किसानों को तुरंत 50 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों के लिए राहत शिविरों में समुचित सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। मुख्यमंत्री नायब सैनी को अब चुटकुलों से बाहर निकलकर जनता की सुध लेनी चाहिए। केंद्र सरकार हरियाणा के लिए विशेष बाढ़ राहत पैकेज की घोषणा करे।

कुछ मुट्ठीभर जातियों का देश की संपति पर कब्जा : चंद्रशेखर आजाद

पीटर नवारो के ब्राह्मण वाले बयान का समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए टैरिफ के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकार नीटर नवारो ने रूस के तेल से भारत के ब्राह्मणों के मुनाफा कमाने की बात कही, जिसे लेकर तेज है। इस पूरे विवाद पर नगीना से सांसद चंद्रशेखर आज़ाद ने कहा कि इस तथ्य को झुठलाया नहीं जा सकता।

चंद्रशेखर आजाद ने इस पूरे मामले को भारत की आंतरिक मुद्दा बताते हुए नीटर नवारो के बयान की निंदा की लेकिन इस बात का समर्थन किया की भारत की मात्र एक फ़ीसद आबादी के पास देश की 40 फ़ीसद से ज्यादा की संपत्ति हैं। आसपा सांसद ने एक्स पर लिखा- देश का एक जिम्मेदार नागरिक, और देश की सबसे बड़ी पंचायत का सदस्य होने के नाते मैं भारत की संप्रभुता और आंतरिक मामलों में किसी भी विदेशी हस्तक्षेप की कड़ी निंदा करता हूं. लेकिन तथ्य और सच्चाई को भी नहीं झुठलाया जा सकता की आज़ादी के 75 साल बाद भी देश की सत्ता, संसाधन और संपत्ति कुछ मुट्ठीभर जातियों के कब्ज़े में है.

एक रिपोर्ट बताती है कि भारत की मात्र 1फ़ीसद आबादी के पास देश की 40.1फ़ीसद जबकि महज 10 प्रतिशत लोगों के पास 77फ़ीसद राट्रीय संपत्ति है, जबकि नीचे 60ब का हिस्सा केवल 4.8 ब है, इसलिए देश में अमीर और गरीब के बीच की खाई में भी जाति का विभेद साफ दिखाई देता है।

अब एसआईआर पर बंगाल में मचेगा बवाल

टीएमसी सरकार विस में आयोजित करेगी विशेष सत्र

- केंद्र पर बरसे अभिषेक बनर्जी
- बिहार के बाद विशेष सत्र में होगा चुनाव आयोग की प्रक्रिया का विरोध
- बंगाली प्रवासी मजदूरों से दुर्व्यवहार का मुद्दा उठेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। अब इसका असर पश्चिम बंगाल में भी दिखने लगा है। सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस विशेष सत्र आयोजित करने का विचार कर रही है, जिसमें चुनाव आयोग की इस प्रक्रिया का विरोध किया जाएगा। बता दें बंगाल की ममता बनर्जी सरकार चुनाव आयोग की एसआईआर की प्रक्रिया का विरोध कर रही है। बिहार में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) से चौकन्नी तृणमूल कांग्रेस ने केंद्र की एनडीए सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल लिया है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा एक से चार सितंबर तक एक विशेष सत्र आयोजित करेगी। इस सत्र में राज्य सरकार बीजेपी शासित राज्यों में बंगाली भाषी प्रवासी श्रमिकों के कथित उत्पीड़न और चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) पर निंदा प्रस्ताव ला सकती है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रवासी श्रमिकों को पश्चिम बंगाल लौटने और श्रमश्री योजना का लाभ उठाने के लिए कहा है। इस योजना के तहत उन्हें वित्तीय सहायता दी जाएगी। तृणमूल कांग्रेस विधानसभा में एसआईआर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगी। पश्चिम बंगाल विधानसभा में एक से चार सितंबर तक विशेष सत्र होगा। इस सत्र में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। विधानसभा की बैठकें एक, दो और चार सितंबर को होंगी। तीन सितंबर को करम पूजा के कारण छुट्टी रहेगी। विशेष सत्र में ममता बनर्जी सरकार बीजेपी शासित राज्यों में बंगाली प्रवासी मजदूरों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार का मुद्दा उठाएगी। सरकार इस बारे में एक प्रस्ताव भी ला सकती है। इसके अलावा चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची में किए जा रहे विशेष संशोधन (एसआईआर) पर भी चर्चा होगी। यह संशोधन बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले हो रहा है। ममता बनर्जी सरकार को आशंका है कि 2026 में पश्चिम बंगाल में भी ऐसा हो सकता है।

बीजेपी शासित राज्यों में बंगाली प्रवासी पर बढ़े अत्याचार

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीजेपी शासित राज्यों में बंगाली प्रवासी मजदूरों के उत्पीड़न पर चिंता जताई है। उन्होंने राजस्थान से लेकर ओडिशा तक कई राज्यों में मजदूरों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार पर आवाज उठाई है। उन्होंने प्रवासी मजदूरों से पश्चिम बंगाल लौटने की अपील की है। उन्होंने उनके लिए श्रमश्री योजना शुरू की है। इस योजना के तहत मजदूरों को आर्थिक मदद दी जाएगी। ममता बनर्जी ने कहा, मैंने प्रवासी श्रमिकों से पश्चिम बंगाल लौटने और श्रमश्री योजना का लाभ उठाने के लिए कहा है। आल इंडिया तृणमूल कांग्रेस इस तीन दिवसीय विशेष सत्र में एसआईआर के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराएगी। पार्टी का मानना है कि एसआईआर के जरिए मतदाताओं को परेशान किया जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस नेता इस मुद्दे को विधानसभा में जोर-शोर से उठाएंगे। विशेष गहन संशोधन मतदाता सूची को अपडेट करने का एक विशेष अभियान है। चुनाव आयोग यह अभियान चलाता है ताकि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाए और गलत नाम मतदाता सूची में न रहें। इस विशेष सत्र में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। सरकार और विपक्ष के बीच तीखी बहस भी हो सकती है। सभी की निगाहें इस सत्र पर टिकी हुई हैं।

विपक्ष की सत्ता वाले राज्यों में एसआईआर का विरोध

बिहार में वोटर लिस्ट को अपडेट करने के लिए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की प्रक्रिया जारी है। चुनाव आयोग की इस प्रक्रिया पर जमकर विवाद हो रहा है। कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल समेत तमाम विपक्षी दल चुनाव आयोग को घेर रहे हैं और केंद्र की एनडीए सरकार पर आरोप लगा रहे हैं। बिहार में इस मुद्दे पर बवाल मचा है और इसके साथ एसआईआर ने उन राज्यों में भी सियासी गर्मी पैदा कर दी है, जहां विपक्ष की सरकारें हैं और जहां आने वाले समय में विधानसभा चुनाव होने हैं। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस भी एसआईआर को लेकर चिंतित है।

पश्चिम बंगाल में 2026 में होंगे विधानसभा चुनाव

पश्चिम बंगाल में मई 2026 में विधानसभा चुनाव होंगे। इसी के साथ केरल, असम और तमिलनाडु में भी विधानसभा चुनाव होंगे। असम में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। बाकी राज्यों में भी यह जल्द शुरू हो सकती है। तमिलनाडु के डीएमके के नेता और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन बिहार पहुंचकर एसआईआर का विरोध कर चुके हैं। विपक्ष की सरकारों वाले इन तीनों राज्यों में एसआईआर से सबसे अधिक पश्चिम बंगाल प्रभावित हो सकता है, क्योंकि इस राज्य में भी अवैध बांग्लादेशी बड़ी संख्या में रह रहे हैं।

भाजपा बरसीं ममता बनर्जी

तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए पार्टी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि बांग्लादेश के विभाजन के दौरान, लोगों की भाषा बांग्ला थी, इसीलिए वे बांग्ला में बात करते हैं। भाजपा मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए 500 सदस्यीय टीम लाकर सर्वेक्षण कर रही है। अपने दस्तावेज़ उनके साथ साझा न करें। क्योंकि वे आपके दस्तावेज़ एकत्र करने और मतदाता सूची से आपके नाम हटाने की योजना बना रहे हैं। बस आधार कार्ड ले जाएं क्योंकि यह एक अनिवार्य आईडी प्रूफ है। बनर्जी ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है। उन्होंने दावा किया कि निर्वाचन आयोग हमारे अधिकारियों को धमका रहा है। इसका (आयोग का) अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान के तीन महीनों तक है, पूरे साल नहीं। बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा स्वतंत्रता आंदोलन में बंगालियों द्वारा निभायी गयी भूमिका को भुलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, ''अगर बांग्ला ही नहीं है, तो राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत किस में लिखे गए हैं? वे चाहते हैं कि लोग स्वतंत्रता आंदोलन में बंगालियों द्वारा निभाई गई ऐतिहासिक भूमिका को भुला दें। हम इस भाषाई आतंक को बर्दाश्त नहीं करेंगे।ममता बनर्जी ने कहा कि वह किसी को भी लोगों का मताधिकार छीनने नहीं देंगी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह बंगालियों पर भाषाई आतंक फैला रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि हम महिलाओं के लिए 'लक्ष्मी भंडार' योजना लेकर आए हैं, जबकि भाजपा के पास 'भ्रष्टाचार भंडार' और भाई-भतीजावाद है। वे देश को लूट रहे हैं, जबकि हम महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं।

बंगालियों का मताधिकार छीनने की हो रही है कोशिश : अभिषेक बनर्जी

तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने गुरुवार को आरोप लगाया था कि केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी (बीजेपी) वोटर चुनने के लिए मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी थी कि वैध मतदाताओं को हटाने के किसी भी प्रयास का नई दिल्ली तक विरोध किया जाएगा। अभिषेक बनर्जी ने कहा था कि बीजेपी 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले बंगालियों का मताधिकार छीनने की कोशिश कर रही है। उन्होंने दावा किया है कि राज्य की जनता इसका करारा जवाब देगी। अभिषेक बनर्जी ने कहा था कि, पहले मतदाता सरकार चुनते थे, लेकिन अब बीजेपी अलोकतांत्रिक एसआईआर प्रक्रिया के जरिए मतदाताओं का चयन कर रही है। इसके खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी। अगर बीजेपी ने एक भी वैध मतदाता का नाम हटाने की हिम्मत की, तो हम 10 लाख बंगालियों के साथ दिल्ली तक मार्च करेंगे, राजपथ का घेराव करेंगे और अपनी ताकत साबित करेंगे। अभिषेक बनर्जी ने कहा था कि केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी बंगाल के 10 करोड़ लोगों की पहचान, भाषा और अधिकारों पर सवाल उठाकर उनका अपमान कर रही है। उन्होंने बंगालियों को बांग्लादेशी कहा और यह भी कहा कि बांग्ला जैसी कोई भाषा नहीं है। टैगोर ने किस भाषा में लिखा, विद्यासागर या नेताजी ने किस भाषा में बात की? बंगाल ने भारत की स्वतंत्रता का मार्ग दिखाया। हम किसी को भी इसे मिटाने की इजाजत नहीं देंगे।'

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की सिर्फ बातें ही बातें

सरकारी काम करने के तरीके से पूरा देश वाकिफ है। पर जिस तरह से मोदी सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की बात करती है उसके इतर कुछ दिनों से केंद्र सरकार या राण्ज्य सरकारों द्वारा निर्मित किए गए कई विकास परियोजनाओं में खामियों की खबरें आती जा रही वह सरकार के काम करने के तरीके पर सवाल उठा रही हैं। अभी ताजा मामला कई नए परियोजनाओं के गिरने से संबंधित है। पिछले साल तो ऐसी घटनाओं की बाढ़ आ गई थी। जैसे मराठा पहचान और परम्परा के प्रतीक पुरुष, प्रथम हिन्दू नेता छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में की गयी 35 फीट ऊंची प्रतिमा का थरथरा कर गिर जाने का है। यह एक राष्ट्रीय शर्म एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार का दु:खद अध्याय है। इस तरह हमारे एक महानायक की महान स्मृतियों से जुड़ी इस प्रतिमा का गिरना एवं ध्वस्त होना सरकार में गहरे पैठ चुके भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं रिश्वतखोरी को उजागर करता है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में जिस तीव्रता से व्याप्त है, उसका यह एक ज्वलंत उदाहरण है, जो सरकार की साख को धुंधला रही है, यह घटना भारतीय नौसेना की साख को भी बट्टा लगा रही है, यह घटना इसलिए भी गंभीर चिंता की बात है कि इससे हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की कलई खुल गई है।

गौर कीजिए, इस प्रतिमा के निर्माण पर करीब 3,600 करोड़ रुपये की लागत आई थी और इसी 4 दिसंबर को नौसेना दिवस पर इसका अनावरण किया गया था। यहीं नहीं अभी हाल ही दिल्ली, लखनऊ, बड़ौदा के एयरपोर्ट व संसद के नए भवन में बारिश के पानी के टपकने की खबरें भी सरकारी काम करने व्यवस्था का पोल खोल रही हैं। सवाल है कि जब सरकार किसी कंपनी को ऐसे राष्ट्रीय महत्व के निर्माण की जिम्मेदारी सौंपती हैं, उससे पहले क्या गुणवत्ता की कसौटी पर पूरी निर्माण योजना, डिजाइन, प्रक्रिया, सामग्री, समय-सीमा और संपूर्णता को सुनिश्चित किया जाना जरूरी समझा जाता? देश में भ्रष्टाचार सर्वत्र व्याप्त है, विशेषत: राजनीतिक एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार ने देश के विकास को अवरूद्ध कर रखा है। यही कारण है कि पुल या दूसरे निर्माण-कार्यों के लिए रखे गए बजट का बढ़ा हिस्सा कमीशन-रिश्वतखोरी की भेंट चढ़ जाता है। इसका सीधा असर निर्माण की गुणवत्ता पर पड़ता है। निर्माण घटिया होगा तो फिर उसके धराशायी होने की आशंका भी बनी रहती है। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर निगरानी रखने की पारदर्शी नीति नियामक केन्द्र बनाने के साथ उस पर अमल भी जरूरी है। सवाल यहां पर यही हैं कि यह घटनाएं केवल खबरें मानकर भूला दी जाएंगी या नीति नियंता इस पर कुछ ठोस निर्णय लेंगे ताकि आगे ऐसी घटनाओं की पुनरावृति न हो।

“ पिछले साल तो ऐसी घटनाओं की बाढ़ आ गई थी। जैसे मराठा पहचान और परम्परा के प्रतीक पुरुष, प्रथम हिन्दू नेता छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में की गयी 35 फीट ऊंची प्रतिमा का थरथरा कर गिर जाने का है। यह एक राष्ट्रीय शर्म एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार का दु:खद अध्याय है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

वर्चस्ववादी राजनीति में साम, दाम, दंड, भेद का दौर

ज्योति मल्होत्रा

यह मौसम साम, दाम, दंड, भेद का है– यह सूक्ति महान रणनीतिकार चाणक्य की दी हुई बताई जाती है, जिनके लिए कहा जाता है कि ईसा से तीन शताब्दी पूर्व, राजा नंद को हटाना और चंद्रगुप्त मौर्य को सत्ता में स्थापित करना, दोनों की रणनीति उन्होंने बनाई थी। मौर्य वंश का राज 135 वर्ष चला, और इसके राजाओं ने जिस कूटनीति पर अमल करके शासन चलाया, उसका अर्थ निकलता है : 'वार्ता, रिश्वत, दंड और कमजोरी खोजना'। अवश्य ही यह श्रेय आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसोदिया को दिया जाए, जिन्होंने अगस्त की शुरुआत में इस मुहावरे को फिर से उभारा। इससे कुछ ही दिन पहले पंजाब की 'आप' सरकार ने अपनी सबसे महत्वाकांक्षी योजना –लैंड पूलिंग नीति–जिसका मंतव्य राज्य में शहरीकरण को बढ़ावा देना था– वापस ले ली थी। हाईकोर्ट ने इस नीति पर सत्तारूढ़ दल को कड़ी फटकार लगाई थी।

बदतर यह कि गुस्साए ग्रामीणों ने आप विधायकों को काले झंडे दिखाने शुरू कर दिए थे– वैसे ही जैसे पिछले साल लोकसभा चुनाव के दौरान नाराज़ ग्रामीणों ने भाजपा उम्मीदवारों के साथ किया था। पार्टी में इससे घबराहट की लहर दौड़ गई। तभी तो, अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जब सिसोदिया ने कहा : '2027 का विधानसभा चुनाव जीतने के लिए, साम, दाम, दंड, भेद, सच, झूठ, सवाल, जवाब, लड़ाई, झगड़ा, जो भी करना पड़ेगा, करेंगे। बोलो तैयार हैं? जोश से बोलो!' यानि 2027 चुनाव जीतने को जो भी हथकंडा अपनाना पड़े, उससे परहेज नहीं। इससे राजनीतिक रूप से सख्त मिज़ाज परिदृश्य वाले इस इलाके में सिहरन सी दौड़ गई। इससे पहले किसने खुलेआम ऐसा कहा? भाजपा के सुनील जाखड़ ने चुनाव आयोग से चाणक्य के मंत्र को लेकर शिकायत की, लेकिन 'आप' प्रदेशाध्यक्ष अमन अरोड़ा ने इस तंज का जवाब देते हुए पूछा : 'क्या हर राजनीतिक दल अंदरखाते वही सब नहीं करता, जिसको 'आप' सरेआम करना कबूल कर रही है?' अरोड़ा सही हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को छोड़कर, जिनकी राजनीति आमतौर पर उन लोगों पर केंद्रित है जिनके मुद्दों से वे सर्वाधिक जुड़ाव महसूस कर रहे हैं – अत्यंत गरीब, सबसे पिछड़े और अति वंचित वर्ग, जैसे बिहार के कटिहार क्षेत्र के मखाना किसान, जहां से होकर उनकी 'मतदान का अधिकार' रैली हाल में गुजरी– देश हो या विदेश – राजनीति इन दिनों विशुद्ध सत्ता प्रयोग के लिए तैयारियां कर रही है। मोहन भागवत और डोनाल्ड ट्रंप, दोनों का मामला यहां प्रासंगिक हैं। अगले माह 75 साल के होने जा रहे आरएसएस मुखिया ने बीते गुरुवार एक असामान्य प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई दिलचस्प बिंदुओं पर बातें की – इसमें सबसे रोचक थी भाजपा की राजनीति में अनौपचारिक 'कट-ऑफ तारीख' (वानप्रस्थ तिथि) को लेकर, 75 वर्ष का होने पर नेता को 'मार्गदर्शक मंडल' नामक वृद्धाश्रम में भेज दिया जाता है– जैसे लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और नजमा हेपतुल्लाह के साथ हुआ था –लेकिन अब इस अघोषित नियम को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। इसका मतलब है, भागवत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, दोनों यथावत रहेंगे – मोदी भी सितंबर में 75 साल के हो जाएंगे। एक प्यारी सी लघुकथा आरएसएस नेता मोरोपंत पिंगले के बारे में है, जिन्हें अपने 75वें जन्मदिन पर शॉल भेंट कर 'वानप्रस्थ' भेज दिया गया था, उस हिसाब से अब वही होना चाहिए– लेकिन वह नियम अब आरएसएस अभिलेखागार में प्यारी सी लघुकथा बन दफन हो जाएगा। मोहन भागवत जानते हैं कि आरएसएस का प्रभाव बढ़ाने के लिए, खासकर उसकी स्थापना के 100वें वर्ष में, मोदी से ज़्यादा काम किसी ने नहीं किया। यदि भाजपा अध्यक्ष के नाम पर उनके साथ कोई मतभेद रहा भी होगा, जिसपर नियुक्ति एक साल से ज्यादा से लंबित है, उसे जल्द सुलझा लिया जाएगा– आरएसएस प्रमुख ने इतना तो स्वीकार किया – वह भी मोदी के पक्ष में होगा। डोनाल्ड ट्रंप भी कुछ अलग नहीं । महज पांच साल पहले तक प्रधानमंत्री के सबसे अच्छे दोस्त रहे ट्रंप और उनके सलाहकारों ने अब मोदी और भारत पर हमला करने का बीड़ा उठा लिया। जैसा कि फ्रांस में राजदूत रहे जावेद अशरफ ने भी इस अखबार के टिप्पणी पृष्ठ पर छपे अपने लेख में समझाया था, भारत के प्रति ट्रंप की खुन्नस दरअसल उनका विशुद्ध शक्ति प्रदर्शन है।

ट्रंप चाहते हैं कि दुनिया को तीन बड़े देश चलाएं– अमेरिका, चीन और रूस। उन्हें इतनी सी बात समझ नहीं आ रही कि भारत जैसा देश उनके आगे झुकने से क्यों और कैसे इनकार कर सकता है। इसलिए वे भारत को झुकने से इन्कार करने की सजा दे रहे हैं। ट्रंप एवं मंडली को भारत की मानसिकता की समझ कम ही है। यूक्रेन युद्ध का दोष मोदी पर मढ़कर (इसे 'मोदी का युद्ध' बताकर), जो एक वाहियात आरोप है, वे देश को मोदी के पीछे एकजुट करने में कामयाब रहे हैं, जो प्रधानमंत्री के रूप में उनके 11 वर्षों में पहले कभी नहीं हुआ। बदलाव के तौर पर, 'विदेशी शक्ति का हाथ सिद्धांत', जिसका अनुमोदन इंदिरा गांधी से मोदी तक, कई प्रधानमंत्रियों ने किया, सच निकला– सिवाय इसके कि यह 'विदेशी हाथ' बेहुदा है।

श्रम पथ अनुसरण से ही कायाकल्प संभव

सुरेश सेठ

पिछले दिनों केंद्र और राज्य स्तर पर शिक्षा क्रांति, नए शैक्षिक मॉडल तथा सभी नागरिकों को शिक्षित करने की दिशा में अनेक प्रयास हुए हैं। इसमें संदेह नहीं कि विद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्रों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह देखकर हर्ष होता है कि अब देश की बालिकाएं भी शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। हालांकि, केवल छात्रों की संख्या में वृद्धि या सरकारों द्वारा शिक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद का अधिक प्रतिशत व्यय करने से ही युवा पीढ़ी की सफलता की गारंटी नहीं दी जा सकती। हाल ही में शिक्षा क्षेत्र की जो मूल्यांकन रिपोर्ट सामने आई है, वह चिंताजनक है। रिपोर्ट के अनुसार, केवल कक्षा उत्तीर्ण कर लेना ज्ञान प्राप्ति का प्रमाण नहीं माना जा सकता। आठवीं और दसवीं कक्षा के छात्रों का ज्ञान स्तर दूसरी से चौथी कक्षा के विद्यार्थियों के समकक्ष पाया गया।

एक ऐसा देश जो आने वाले वर्षों में डिजिटल, इंटरनेट और कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में अग्रणी बनना चाहता है, उसके लिए यह स्थिति निराशाजनक है। उच्च शिक्षा में भी अधिकतर छात्र परंपरागत डिग्रियों के पीछे भाग रहे हैं। देश में मौलिक शोध की स्थिति भी अत्यंत दयनीय बताई गई है। डिग्रियां प्राप्त करने के बावजूद युवाओं में न तो व्यक्तित्व विकास हुआ है, न ही व्यवहार या नैतिक मूल्यों में कोई संतोषजनक परिवर्तन देखा गया है। हर व्यक्ति त्वरित सफलता की होड़ में लगा है। यह भी सत्य है कि आज का भौतिक युग युवा वर्ग के सपनों को चकाचौंध से भर रहा है। हम उस अंधी दौड़ का हिस्सा बन गए हैं, जिसमें संभव है कि हम एक आर्थिक महाशक्ति तो बन जाएं, किंतु यह शक्ति ऐसी होगी, जिसकी तीन-चौथाई जनता उस सफलता का वास्तविक लाभ नहीं उठा पाएगी। वह अब भी अनुकंपा पर निर्भर रहेगी। इस जटिल चक्रव्यूह में सफलता प्राप्त करने का मार्ग क्या है? क्या यह डिग्रियों की बहुलता और परीक्षाओं में प्राप्त अंकों से तय होता है, या यह आत्म-संकल्प, मेहनत और अपने कार्य के प्रति प्रतिबद्धता से प्राप्त होता है? भारत के न्यायाधीश बी.आर. गवई ने एक लॉ कॉलेज के स्वर्ण जयंती समारोह में कहा, 'परीक्षा में प्राप्त अंक यह तय नहीं करते कि आप किस ऊंचाई तक पहुंचेंगे।'

यह सत्य भी है, क्योंकि डिग्री मात्र एक पड़ाव है, सफलता का वास्तविक मापदंड आत्मविकास, कठिन परिश्रम, समर्पण और अपने कार्य के प्रति ईमानदारी है। गवई ने कहा, यदि देश में हर व्यक्ति अपने कार्य के प्रति निष्ठावान हो जाए, तो आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के बाद भी हम नौकरशाही और लालफीताशाही से ग्रस्त न होंगे। आज सफलता के लिए लोग 'शॉर्टकट' ढूंढ़ते हैं। काला बाजारी करने वालों की जमात बढ़ रही है। कानून का पालन करने की बजाय, उसे तोड़कर ऊपर उठने को उपलब्धि माना जा रहा है। गवई ने अपनी शिक्षा के अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे अक्सर कक्षा छोड़ कॉलेज की चारदीवारी पर बैठते थे, और उनके मित्र उनकी उपस्थिति लगाते थे।

लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि यह व्यवहार अनुकरणीय नहीं है। उनका आशय यह था कि केवल किताबी ज्ञान या कक्षा में बैठना ही सफलता की गारंटी नहीं देता। मौलिकता और आत्म-अनुशासन ही असली पूंजी है। उन्होंने कहा कि सफलता केवल अंकों से तय नहीं होती, बल्कि जुनून, दृष्टिकोण और कर्मनिष्ठा से प्राप्त होती है। सवाल यह है कि क्या आज की पीढ़ी ने कभी आत्ममंथन किया है कि उनकी प्रतिबद्धता क्या है? क्या वे केवल उच्च स्तरीय जीवन और आकर्षक नौकरी तक सीमित हैं, या वे ज्ञान के नए आयामों को छूने और एक सम्पूर्ण नागरिक बनने की दिशा में अग्रसर हैं? राष्ट्र निर्माण केवल भव्य इमारतों और अर्थव्यवस्था से नहीं होता, वह होता है नैतिक मूल्यों, मूलभूत शिक्षा और मानवता के विकास से। आज की शिक्षा केवल रटंत प्रणाली बनकर रह गई है, जिसमें आत्मविकास की ललक और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का बोध समाप्त हो गया है। आज के युवाओं के सामने वे आदर्श भी नहीं हैं, जिनके जुनून में स्वाधीनता सेनानियों ने देश को आजादी दिलाई थी या जिनके संकल्प ने कला, विज्ञान, तकनीक और समाज सेवा में नये कीर्तिमान स्थापित किए थे।

बी.आर. गवई का यह संदेश एक लकीर का फकीर बने रहने की प्रवृत्ति से हटकर, नवीन दिशा देने वाला संदेश है। यह कहीं भी शिक्षा की डिग्रियों के महत्व को नकारता नहीं है, अपितु वह नकल संस्कृति, दिखावे और परीक्षा-अंकों की अंधी दौड़ का स्पष्ट खंडन करता है। उनका यह आग्रह कि युवा पीढ़ी को देश और मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता निभानी चाहिए तथा कठिन परिश्रम को अपने जीवन का मूलमंत्र बनाना चाहिए। आज स्थिति यह है कि देश का एक बड़ा वर्ग नए कार्यों की शुरुआत या नवाचार की प्रेरणा के बजाय केवल रियायतों और अनुकंपाओं की घोषणाओं की प्रतीक्षा में बैठा है। मेहनत के आह्वान के स्थान पर, सरकारी सुविधाओं की उम्मीद लगाए रखना जैसे राष्ट्रीय चुनौती बनती जा रही है। न्यायमूर्ति गवई का यह संदेश केवल एक भाषण नहीं, बल्कि भारत की अंतरात्मा की पुकार है कि देश के युवाओं को देश के कायाकल्प के लिए संकल्प और श्रम के पथ पर अग्रसर होना चाहिए।

कार्ला और भाजा की गुफाएं

लोनावाला में कार्ला और भाजा गुफाएं स्थित है। ये प्राचीन चट्टानों को काटकर बनाई गई बौद्ध गुफाएं हैं जो भारत में एक महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल हैं। कार्ला की गुफाएं सातवीं शताब्दी ईसा पूर्व की हैं जबकि भाजा की गुफाओं का इतिहास दूसरी शताब्दी ईशा पूर्व का है। यहां एक प्राचीन बौद्ध मंदिर भी है। इतिहास और शांति पसंद लोगों के लिए यह स्थल परफेक्ट है।

लोनावाला

दो दिन की ट्रिप पर यहां जाएं घूमने

पुणे से लोनावाला लगभग 68 किमी दूर है, जिसका सफर तय करने में डेढ़ घंटे का समय लग सकता है। पुणे से लोनावाला तक के लिए आपको लोकल ट्रेन मिल जाएगी जिससे महज 40 मिनट में आप अपने गंतव्य तक पहुंच सकते हैं और इसका टिकट भी 100 रुपये से कम का होगा। मुंबई से लोनावाला 83 किमी दूर है। डेढ़ घंटे का सफर तय करके सड़क मार्ग के जरिए यहां पहुंचा जा सकता है। अगर आप ट्रेन से सफर कर रहे हैं तो करीब 100 रुपये टिकट पर खर्च करने होंगे। लोनावला में कई मशहूर पर्यटन स्थल है जो यात्रियों के लिए काफी लोकप्रिय हैं। इसमें लोनावला झील, टाइगर लीप, भुशी बांध, कार्ला और भाजा गुफाएं, विसापुर किला और लोहागढ़ किला प्रसिद्ध पर्यटक आकर्षण हैं। यहां दर्शनीय स्थलों की सैर के साथ ही खूबसूरत नजारे वाली जगहों, प्राचीन किलों और हैरतअंगेज जलप्रपातों व झीलों को देखने के लिए दो दिन का समय काफी है।

भुशी डैम

पहले दिन पुणे या मुंबई से लोनावाला पहुंचकर भुशी डैम घूमने जाएं। बारिश के मौसम में यहां बेहद खूबसूरत नजारा देखने को मिल सकता है। पार्टनर संग आप यहां पिकनिक के लिए जा सकते हैं और रोमांटिक फोटोशूट करा सकते हैं।

राजमाची किला

अगले दिन सुबह आप पार्टनर संग ट्रैकिंग के लिए जा सकते हैं। राजमाची किला और तिकोना किला शानदार ट्रेकिंग एरिया है, जो एडवेंचर पसंद करने वालों के लिए बेहतरीन स्थल है।

लोनावाला झील

शाम में लोनावाला झील में आप नौका विहार कर सकते हैं और आसपास के प्राकृतिक दृश्यों का आनंद ले सकते हैं। यहां झील किनारे टहल सकते हैं। फोटो खिंचवा सकते हैं और पिकनिक का आनंद उठा सकते हैं। झील के किनारे चाय और गरमा गरम भजिया का आनंद ले सकते हैं।

लायन प्वाइंट और टाइगर पॉइंट

लोनावाला में दो लोकप्रिय व्यू प्वाइंट हैं। यहां से भुशी डैम और आंबी घाटी के शानदार दृश्य दिखाई देते हैं। शाम के वक्त सूर्यास्त से पहले लायन प्वाइंट और टाइगर प्वाइंट पहुंच जाएं। सनसेट के वक्त यहां का दृश्य बेहद रोमांटिक होता है।

हंसना मना है

इंजीनियरिंग के स्टूडेन्ट- सर, हमने कॉलेज में एक ऐसी चीज बनाई है, जिसकी सहायता से आप दीवार के आर-पार देख सकते हैं, सर (खुश होते हुए)- वाह! क्या बात है क्या चीज है वह? स्टुडेन्ट- छेद। सर- दे थप्पड़- दे थप्पड़।

टीचर- एक तरफ पैसा, दुसरी तरफ अक्ल, क्या चुनोगे? विद्यार्थी: पैसा। टीचर- गलत, मैं अक्कल चुनती, विद्यार्थी- आप सही कह रही हो मैडम, जिसके पास जिस चीज की कमी होती है वो वही चुनता है। दे थप्पड़ दे थप्पड़?

टीचर- टिल्लू तुम बताओ, बड़े होकर क्या बनोगे? टिल्लू, शरमाते हुए- दूल्हा, टीचर - अरे मेरा मतलब है, बड़े होकर क्या पाना चाहते हो? टिल्लू, शरमाते हुए : दुल्हन, टीचर - उफ्फोह, मुझे बताओ, बड़े होकर ऐसा क्या करोगे जो तुमने अभी तक नहीं किया? टिल्लू, शरमाते हुए- जी शादी!

अकबर ने बीरबल से तीन नये सवाल पूछे और कहा तीनों का जबाब एक ही होना चाहिये, दूध क्यों उबल जाता है? पानी क्यों बह जाता है? सब्जी क्यों जल जाती है? बीरबल ने जवाब दिया- व्हाटसअप की वजह से।

कहानी — दो अनमोल हीरे

एक व्यापारी को बाजार में घूमते हुए एक बहुत अच्छी नस्ल का ऊंट दिखाई पड़ा। व्यापारी और ऊंट बेचने वाले के बीच काफी लंबी सौदेबाजी हुई और आखिर में व्यापारी ऊंट खरीद कर घर ले आया। घर पहुंचने पर व्यापारी ने अपने नौकर को ऊंट का कजावा (काठी) निकालने के लिए बुलाया। कजावे के नीचे नौकर को एक छोटी सी मखमल की थैली मिली जिसे खोलने पर उसे कीमती हीरे जवाहरात भरे होने का पता चला। नौकर चिल्लाया, मालिक आपने ऊंट खरीदा, लेकिन देखो, इसके साथ क्या मुफ्त में आया है। व्यापारी भी हैरान था। उसने अपने नौकर के हाथों में हीरे देखे जो कि चमचमा रहे थे। व्यापारी बोला- मैंने ऊंट खरीदा है, न कि हीरे, मुझे उसे तुरंत वापस करना चाहिए। नौकर मन में सोच रहा था कि मेरा मालिक कितना बेवकूफ है। बोला- मालिक किसी को पता नहीं चलेगा। पर, व्यापारी ने एक न सुनी और वह तुरंत बाजार पहुंचा और दुकानदार को मखमली थैली वापिस दे दी। ऊंट बेचने वाला बहुत खुश था, बोला, मैं भूल ही गया था कि अपने कीमती पत्थर मैंने कजावे के नीचे छुपा के रख दिए थे। अब आप इनाम के तौर पर कोई भी एक हीरा चुन लीजिए। व्यापारी बोला- मैंने ऊंट के लिए सही कीमत चुकाई है इसलिए मुझे किसी शुक्राने और उपहार की जरूरत नहीं है। जितना व्यापारी मना करता जा रहा था, ऊंट बेचने वाला उतना ही जोर दे रहा था। अंत में व्यापारी ने मुस्कुराते हुए कहा- जब मैंने थैली वापस लाने का सोचा तो मैंने पहले से ही दो सबसे कीमती हीरे इसमें से अपने पास रख लिए थे। इस कबूलनामें के बाद ऊंट बेचने वाला भड़क गया उसने अपने हीरे जवाहरात गिनने के लिए थैली को तुरंत खाली कर लिया। पर वह था बड़ी पशोपेश में बोला- मेरे सारे हीरे तो यहीं है, तो सबसे कीमती दो कौन से थे जो आपने रखलिए? व्यापारी बोला- मेरी ईमानदारी और मेरा आत्म सम्मान। जिस-जिस के पास यह 2 हीरे है वह दुनियां के सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आपको आज नए कार्य में लाभ मिलेगा। उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

वृषभ — आज व्यापार की यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। समय अनुकूल है, लाभ लें।

मिथुन — बाहरी क्षेत्र से आय बनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी।

कर्क — डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा।

सिंह — योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कन्या — कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी।

तुला — बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी।

वृश्चिक — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। प्रसन्नता रहेगी।

धनु — स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मकर — रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी।

कुम्भ — विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दु:खद समाचार मिल सकता है। नए कार्य में बनेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें।

मीन — मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

'सत्या' के बाद फिर साथ आ रहे मनोज बाजपेयी और राम गोपाल वर्मा

मनोज बाजपेयी की 'सत्या' फिल्म तो आपको याद ही होगी। राम गोपाल वर्मा द्वारा निर्देशित इस फिल्म को बॉलीवुड की कल्ट फिल्म माना जाता है। अब लगभग तीन दशक के बाद एक बार फिर मनोज बाजपेयी और राम गोपाल वर्मा की जोड़ी एक साथ आ रही है। हालांकि, इस बार दोनों की फिल्म का जॉनर एकदम अलग है।

लंबे वक्त के बाद मनोज बाजपेयी और राम गोपाल वर्मा एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म के जरिए फिर से एक साथ वापस आ रहे हैं। इस फिल्म का नाम 'पुलिस स्टेशन में भूत' है। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी के अलावा अब अभिनेत्री जेनेलिया डिसूज़ा भी जुड़ गई हैं। अब फैंस इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। 'पुलिस स्टेशन में भूत' की शूटिंग शुरू हो चुकी है और पहला शेड्यूल भी पूरा हो गया है। फिल्म में हॉरर और कॉमेडी के साथ राम गोपाल वर्मा का कहानी कहने का अलग ढंग इसे और भी खास बनाता है। इसके बाद दर्शक इस फिल्म के लिए काफी उत्साहित हो रहे हैं। फिल्म का सार ये है कि जब हम डरते हैं तो पुलिस स्टेशन भागते हैं, लेकिन जब पुलिस डर जाए, तो वो कहां भागेगी? वर्कफ्रंट की बात करें तो मनोज बाजपेयी की पाइपलाइन में इस समय कई प्रोजेक्ट्स हैं। वो जल्द ही नेटफ्लिक्स की फिल्म 'इंस्पेक्टर जेंदे' में नजर आएंगे। इसके अलावा उनके पास 'जुगनुमा' भी है, इन दोनों ही फिल्मों के ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुए हैं। वहीं मनोज बाजपेयी के लोकप्रिय शो 'द फैमिली मैन' के चौथे सीजन का भी दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कालकाजी मंदिर के सेवादार की हत्या पर आग बबूला हुईं स्वरा भास्कर

स्वरा भास्कर अक्सर हर मुद्दे पर अपनी खुलकर राय रखने के लिए जानी जाती हैं। अब उन्होंने एक बार फिर दिल्ली के कालकाजी मंदिर में 35 वर्षीय सेवादार की चौंकाने वाली हत्या पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर हिंसा पर अपना गुस्सा जाहिर किया। स्वरा भास्कर ने इस मामले से जुड़े एक सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को अपने एक्स अकाउंट पर री-शेयर करते हुए, उस पर प्रतिक्रिया दी है। स्वरा ने जो वीडियो फुटेज शेयर किया है, उसमें कुछ लोग सेवादार की पिटाई करते दिखाई दे रहे हैं।

अभिनेत्री ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, यह बेहद भयावह और खतरनाक है। भारत में लोगों की पीट-पीटकर हत्या करना आम बात हो गई है। बेहद दर्दनाक और दिल दहला देने वाली घटना। यह शर्मनाक है और हमारे समाज के बारे में वाकई परेशान करने वाली बात है। हम पूरी तरह से निर्दयी और राक्षसों की तरह बन गए हैं।

यह घटना बीते शुक्रवार को देर रात हुई, जब प्रसाद वितरण को लेकर हुए विवाद ने हिंसा का रूप ले लिया। पीड़ित योगेंद्र सिंह, जिन्होंने मंदिर में लगभग 15 वर्षों तक सेवा की थी, उन पर कथित तौर पर एक समूह द्वारा चुन्नी प्रसाद की मांग को अस्वीकार करने पर हमला किया गया। सिंह ने कथित तौर पर बताया था कि प्रसाद खत्म हो गया है, लेकिन बहस बढ़ गई।

पुलिस के अनुसार, इसके बाद हमलावरों ने सिंह को घसीटकर बाहर निकाला और लाठियों व घूंसों से तब तक पीटा जब तक वह बेहोश नहीं हो गए। घटनास्थल से एक विचलित करने वाला वीडियो सामने आया है जिसमें पांच-छह लोग सेवादार को बेरहमी से पीटते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि वह जमीन पर बेसुध पड़ा हुआ है।

अब तक पांच लोगों की हो चुकी है गिरफ्तारी इस मामले में अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मुख्य आरोपी अतुल पांडे को स्थानीय लोगों ने मौके पर ही पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। इसके अलावा पुलिस ने चार अन्य लोगों की गिरफ्तारी की जानकारी दी है।

बॉलीवुड | **मन की बात**

मुझे वो पार्टनर चाहिए जो खाने का शौकीन हो : जान्हवी कपूर

हाल ही में जान्हवी कपूर को 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में फिल्म 'परम सुंदरी' के को-एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ देखा गया। दोनों ने जहां फिल्म को लेकर बातचीत की, वहीं अपनी लव लाइफ के बारे में भी कुछ बातें साझा कीं। जान्हवी ने बताया कि वह अपने पार्टनर में क्या-क्या खूबियां चाहती हैं। कपिल शर्मा ने शो में पूछा कि जान्हवी आपको कैसे इंप्रेस किया जाए? इस पर वह बोलीं- 'यह खाने पर आधारित है, सर।' आगे सिद्धार्थ मल्होत्रा कहते हैं, 'इन्हें एक कुक चाहिए।' फिर जान्हवी कपूर कहती हैं, 'मेरे पार्टनर को खाना बनाना आना चाहिए, वह खाने के शौकीन होने चाहिए। हां, वह तीखा खाना सहन कर पाते हों।' दरअसल, जान्हवी को तीखा खाना बहुत पसंद है। वह आगे जवाब देती हैं, 'बेशक, खाने के साथ अगर हरी मिर्ची साइड में नहीं रखी तो वो खाना ही क्या है? बताते चलें कि असल जिंदगी में जान्हवी कपूर का नाम बिजनेसमैन शिखर पहाड़िया से जुड़ा जाता है, दोनों को अक्सर साथ डेट पर देखा भी जाता है। जान्हवी कपूर की फिल्म 'परम सुंदरी' को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। पहले दिन यानी बीते शुक्रवार को इसने 7.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। वहीं आज 4.57 करोड़ रुपये (शुरुआती आंकड़े) का कलेक्शन किया है। इस फिल्म का कुल कलेक्शन अब तक 11.82 करोड़ रुपये हो चुका है। जान्हवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर फिल्म 'परम सुंदरी' एक रोमांटिक ड्रामा है। इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा परम नाम का किरदार निभा रहे हैं, जो कि उत्तर भारत से बिलॉन्ग करता है, वहीं जान्हवी कपूर ने सुंदरी नाम की लड़की का रोल किया है, जो दक्षिण भारत से आती है। इन दोनों के बीच कैसे प्यार होता है, यह फिल्म की स्टोरी लाइन है।

पानी से नफरत करती है यह महिला काफी और बीयर से करती है पूर्ति

जल ही जीवन है। पर क्या कोई पानी पीने से ही नफरत कर सकता है? आपने पानी से डर, जिसे हाइड्रोफोबिया कहते हैं, तो शायद जरूर सुना होगा, पर पानी पीने से ही नफरत? हैरानी की बात लगती है। पर 52 साल की ट्रायथलीट लोरी चीक का कहना है कि कि वह पानी से इतनी नफरत करती हैं कि उन्हें इसकी वजह से दो बार अस्पताल जाना पड़ा, और अब वे कॉफी और बीयर से शरीर में पानी की कमी को पूरा करती हैं और उसके लिए बाकायदा अच्छी खासी रकम भी खर्च करती हैं। इस आदत की वजह से सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल भी किया जा रहा है। लोरी का कहना है कि उन्हें लोगों की राय से कोई फर्क नहीं पड़ता, और वे मानती हैं कि लोग पानी पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करते हैं। वे कहती हैं, पानी को हाइड्रेशन का एकमात्र साधन माना जाता है, लेकिन यह सही नहीं है। लोग इसे 'रिफ्रेशिंग' कहते हैं, लेकिन मुझे कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ। यह मेरे गले से नीचे उतरते वक्त स्लाइमी और बेकार लगता है। मुझे फ्लेवर चाहिए। लोरी को बचपन से ही पानी पसंद नहीं था, और उनके माता-पिता भी पानी से दूर रहते थे। वे कहती हैं, मैं तंग, कूल-एड और कैप्रिसन जैसे फ्लेवर्ड ड्रिंक्स पर बड़ी हुई। मैंने कभी भी पानी पीने से बचने की कोशिश की। उन्होंने जिम में ज्यादा मेहनत करने के बाद दो बार आपातकालीन वार्ड का रुख किया। यह डरावना अनुभव था और मुझे एहसास हुआ कि हाइड्रेशन को हल्के में नहीं लिया जा सकता। इसके बाद से उन्होंने फ्लेवर्ड तरीकों से हाइड्रेट रहने पर ध्यान देना शुरू किया। लोरी का दिन कॉफी से शुरू होता है, और वे दिन भर में तीन और कप पीती हैं। इसके बाद वे फ्लेवर्ड वॉटर जैसे क्रिस्टल लाइट या स्पोर्ट्स ड्रिंक्स, और बाइक राइड के बाद बीयर पीती हैं। रात के खाने के बाद, वे पेडियालाइट पॉप्सिकल्स खाती हैं ताकि इलेक्ट्रोलाइट्स मिल सकें। वे हर महीने हाइड्रेशन पर औसतन 150 डॉलर यानी करीब 13 हजार रुपये खर्च करती हैं, जबकि पानी पीने में उन्हें कुछ भी खर्च नहीं करना पड़ता।

अजब-गजब | **नाइजीरिया के इस अनोखे गांव की है अजीब परंपरा**

यहां अलग-अलग भाषाएं बोलते हैं पति-पत्नी

दुनिया में हर संस्कृति और सभ्यता की अपनी एक खास भाषा होती है, जो उस जगह की पहचान होती है। लेकिन क्या आप एक ऐसे गांव के बारे में जानते हैं, जहां पति और पत्नी एक-दूसरे से बात ही नहीं कर पाते, क्योंकि उनकी भाषा अलग है? यह सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन यह सच है। दुनिया में एक ऐसा गांव है, जहां पुरुष और महिलाएं एक-दूसरे से अलग-अलग भाषा में बात करते हैं और इसकी वजह बहुत ही अजीब है। महिला-पुरुषों द्वारा अलग-अलग भाषा बोले जाने वाले इस इकलौते गांव की अनोखी परंपरा का असर खास तौर पर 10 साल की उम्र के लड़कों पर पड़ता है। यह गांव नाइजीरिया में है, जिसका नाम उबांग है।

हालांकि, यहां के महिला-पुरुष भले की भाषा भले ही अलग हो, लेकिन वे एक-दूसरे की बात को अच्छी तरह से समझते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस गांव में पुरुषों और महिलाओं की भाषाओं में शब्द बिलकुल अलग हैं। उदाहरण के लिए, 'कपड़े' के लिए पुरुष 'नकी' शब्द का इस्तेमाल करते हैं, जबकि महिलाएं 'अरिगा' कहती हैं। इसी तरह से पुरुष 'पेड़' को 'किचि' कहा जाता है, जबकि महिलाएं 'ओकवेंग' शब्द का इस्तेमाल करती हैं। ये सिर्फ उच्चारण में थोड़ा-बहुत अंतर नहीं है, बल्कि ये पूरी तरह से अलग शब्द हैं। यह परंपरा सालों से चली आ रही है। दिलचस्प बात यह है कि उबांग में लड़के और लड़कियां दोनों एक-दूसरे की भाषा को अच्छी तरह से समझते हैं, क्योंकि बच्चे जब छोटे होते हैं, तो वे अपनी मां के साथ रहकर दोनों भाषाएं सीख जाते हैं। लेकिन जैसे ही कोई लड़का 10 साल का होता है, तो उसे एक दिक्कत का सामना करना पड़ता है।

दरअसल, 10 साल की उम्र के बाद लड़कों से उम्मीद की जाती है कि वह अपनी मां की भाषा को छोड़कर, पुरुषों की भाषा को अपना ले। गांव के मुखिया ओलिवर इबैंग ने कहा कि यह एक ऐसी उम्र है, जहां पुरुष को यह समझ में आ जाता है कि वह अपनी सही भाषा का इस्तेमाल नहीं कर रहा है। उसे कोई नहीं बताता कि उसे पुरुषों की भाषा में बोलना चाहिए। लेकिन जब वह ऐसा करता है, तो गांव के लोग समझ जाते हैं कि वह मैच्योर हो रहा है। हालांकि, इस अजीब परंपरा की शुरुआत कैसे और क्यों हुई, यह कोई नहीं जानता, लेकिन ज्यादातर लोग एक धार्मिक सिद्धांत को मानते हैं। उनका मानना है कि भगवान ने आदम और हव्वा को उबांग के लोगों के रूप में बनाया था और उन्हें दो अलग-अलग भाषाएं दी थीं।

ओलिवर ने आगे कहा कि उस वक्त आदम और हव्वा हर जाति समूह को दो-दो भाषाएं देना चाहते थे, लेकिन बाद में उन्होंने महसूस किया कि दुनिया में हर जाति समूह को देने के लिए उतनी भाषाएं नहीं हैं। इसलिए उन्होंने उबांग में ही रुकने का फैसला किया, जिससे यह गांव दुनिया के बाकी सभी समुदायों से अलग हो गया। आज जैसे-जैसे अंग्रेजी शब्द नाइजीरिया के युवाओं की भाषा में शामिल होते जा रहे हैं, उबांग की दोनों भाषाओं के हमेशा के लिए खत्म होने का खतरा मंडरा रहा है। न तो पुरुष और न ही महिलाओं की भाषा को कहीं लिखा गया है, इसलिए वे दोनों ही आने वाली पीढ़ी पर निर्भर हैं। यह परंपरा एक तरह से पीढ़ियों से चली आ रही एक रहस्यमयी पहेली जैसी है, जो आज भी अनसुलझा है।

भाजपा को जिताने के लिए लड़ा था कांग्रेस ने चुनाव

» सौरभ भारद्वाज का कांग्रेस पर तीखा हमला

» 44 करोड़ के चंदे की जांच की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने फिर से कांग्रेस पर तीखा वार किया है। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया है कि 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने चुनाव जीतने के लिए नहीं, बल्कि भाजपा को जिताने और आम आदमी पार्टी को हराने के लिए चुनाव लड़ा। पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव के हालिया इंटरव्यू से यह बात साफ हो गई है।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि कांग्रेस की रणनीति का मकसद आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं को हराना था। देवेंद्र यादव खुद यह स्वीकार कर रहे हैं कि कांग्रेस ने भाजपा को जीतने देने और आम आदमी पार्टी को रोकने का निश्चय किया था। उन्होंने सवाल उठाया कि कांग्रेस ने भाजपा नेताओं के खिलाफ ऐसी कोई रणनीति क्यों नहीं बनाई, जबकि आम आदमी पार्टी को निशाना बनाने के लिए विशेष तैयारी की गई उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस का अब तक का सबसे घिनौना चेहरा 2025 के चुनाव में सामने आया। उन्होंने 1984 के दंगों का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय से भी ज्यादा गंभीर रूप से कांग्रेस का असली चेहरा उजागर हुआ है। सौरभ ने आरोप लगाया कि भाजपा और कांग्रेस दोनों मिलकर गरीबों की झुग्गियां और रोजगार उजाड़ने का काम कर रहे हैं। वहीं चुनावी खर्च के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने जहां 14 करोड़ रुपये खर्च किए, वहीं भाजपा ने 57 करोड़ रुपये और कांग्रेस ने 46 करोड़ रुपये खर्च किए। इसमें से 44 करोड़ रुपये कांग्रेस ने नकद चंदे के रूप में दिखाए हैं, जबकि चुनाव आयोग के नियम अनुसार 2000 रुपये से अधिक नकद चंदा स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का नकद चंदा रहस्यमय है और इसकी जांच होनी चाहिए।

कांग्रेस के चंदे पर भाजपा चुप क्यों

सौरभ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा और कहा कि जब आम आदमी पार्टी को चेक से एक करोड़ रुपये का चंदा मिला था तो उन्होंने सवाल उठाए थे, लेकिन कांग्रेस को नकद में 44 करोड़ रुपये मिलने पर भाजपा चुप्पी साधे हुए है। उन्होंने कहा कि आज की प्रेस वार्ता का उद्देश्य कांग्रेस और भाजपा की मिलीभगत को जनता के सामने लाना था।

मप्र में कांग्रेस कार्यालय गेट पर पुतला दहन पर हंगामा

» जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में एसपी ऑफिस पहुंचे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के खंडवा में हंगामों से भरा रहा। यहां पहले भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस कार्यालय का घेराव कर कांग्रेस के राष्ट्रीय और प्रदेश के नेताओं के पुतले फूंक दिए। इसके बाद जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में एसपी ऑफिस पहुंचे, जहां मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी पर बीते दिनों हुए हमले का विरोध दर्ज कराते हुए, उनकी सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता किए जाने की बात कही। इसके साथ ही जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने पीसीसी चीफ पर हुए हमले का जिम्मेदार भाजपा कार्यकर्ताओं को ही बताया है।

इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी भी दी है कि यदि लोकतंत्र में ऐसी घटनाएं होंगी तो कांग्रेस कार्यकर्ता मजबूती के साथ खड़े हैं। इसका जवाब देना भी जानते हैं। देश और प्रदेश में भाजपा की सरकार हैं और इन्होंने ही इस तरह के आंकड़े जारी किए हैं। वही बात जीतू पटवारी ने अपने बयान में बोली है। यह सब भाजपा के कार्यकर्ता मूल मुद्दों से भटकाने के लिए इस तरह के विरोध करते रहते हैं। इधर, मीडिया से चर्चा के दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष

उत्तमपाल सिंह पुरनी से जब पूछा गया कि जिस तरह से बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय के गेट पर ही कांग्रेस नेताओं का पुतला दहन कर दिया तो इसको लेकर क्या शहर में विरोध की कोई नई परंपरा जन्म ले रही है। इस पर उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं करते हुए प्रजातंत्र में एक नई परंपरा बीजेपी के कार्यकर्ता चालू कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि हमारे तो गांधी भवन कार्यालय में फेंसिंग और गेट वगैरह सब लगा है, लेकिन उनके यहां अर्थात बीजेपी कार्यालय में ऐसा कुछ नहीं है। तो अभी हम इकट्ठे होकर यदि वहां चले जाएं तो क्या हो, क्योंकि बॉल जितनी जोर से फेंकी जाती है, उतनी ही जोर से वापस भी आती है और यह हमको भी आता है। ऐसी चीज यदि आगे होती है तो वहां अर्थात बीजेपी कार्यालय में तो दरवाजे भी नहीं हैं।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से मिचेल स्टार्क का संन्यास

» मिचेल स्टार्क बोले- टेस्ट क्रिकेट हमेशा से मेरी प्राथमिकता रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने आज अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने यह फैसला मुख्य रूप से अपने टेस्ट क्रिकेट करियर को आगे बढ़ाने और आगामी 2027 वनडे विश्व कप के लिए खुद को ताजा और फिट बनाए रखने के लक्ष्य से लिया है। खास बात यह है कि अगले साल टी20 विश्व कप होना है, उससे ठीक पहले स्टार्क का संन्यास टीम को झटका देने वाला है। स्टार्क ने टी20 क्रिकेट से विदा लेकर यह साफ कर दिया है कि उनकी नजर अब लंबी पारी पर है। टेस्ट और 2027 विश्व कप में वह एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया के लिए अहम भूमिका निभाना चाहते हैं। हालांकि, वह टी20 लीग खेलते रहेंगे। स्टार्क (35 वर्ष) ने अपने टी20 करियर में कुल 65 मैच खेले और 79 विकेट हासिल किए। यह आंकड़ा उन्हें ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे सफल तेज गेंदबाज बनाता है। स्पिनर एडम जैम्पा ही उनसे आगे हैं। स्टार्क 2021 में दुबई में खेले गए टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की खिताबी जीत में अहम योगदान देने वाले खिलाड़ियों में से एक थे। लंबे समय से वे टेस्ट क्रिकेट को अपनी प्राथमिकता बताते आए हैं। अपने संन्यास की घोषणा के दौरान स्टार्क ने कहा, टेस्ट क्रिकेट हमेशा से मेरी प्राथमिकता रहा है। मैंने ऑस्ट्रेलिया की तरफ से खेले हर टी20 मैच का लुत्फ उठाया, खासकर 2021 विश्व कप। यह जीत मेरे लिए खास थी, न सिर्फ इसलिए कि हमने खिताब जीता बल्कि इसलिए भी कि मैंने टीम के साथियों के साथ यादगार पल बिताए। स्टार्क ने आगे कहा कि आने वाले वर्षों में उनके लिए भारतीय दौरा, एशेज सीरीज, और 2027 वनडे विश्व कप बेहद अहम हैं। वह चाहते हैं कि इन बड़ी चुनौतियों के लिए उनका शरीर पूरी तरह फिट रहे, और इसी कारण उन्होंने टी20 प्रारूप को अलविदा कहने का निर्णय लिया।

एशिया कप: रोहित के शतकों की बराबरी कर सकते हैं सूर्या

नई दिल्ली। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव एशिया कप से मैदान पर वापसी के लिए तैयार हैं। सूर्यकुमार लंबे समय से चोट के कारण बाहर चल रहे हैं, लेकिन अब वह नौ सितंबर से यूएई में होने वाले एशिया कप में भारतीय टीम की अगुआई करेंगे। सूर्यकुमार के पास इस दौरान रोहित शर्मा की बराबरी करने का मौका रहेगा और वह एक शतक लगाते ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक सैकड़ा लगाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हो जाएंगे। एशिया कप के लिए भारतीय टीम के सदस्य चार सितंबर में दुबई में एकत्रित होंगे। भारत इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को करेगा। इसके बाद 14 सितंबर को दुबई में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का सामना करेगा। सुपर फोर चरण से पहले उसका तीसरा ग्रूप मैच 19 सितंबर को ओमान के खिलाफ होगा।

राज्यसभा सांसद का आप संयोजक पर हमला

» स्वाति बोलीं- पंजाब के धन का दुरुपयोग निजी मौज-मस्ती के लिए कर रहे हैं केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नइ दिल्ली। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला करते हुए दावा किया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री पंजाब के धन का दुरुपयोग निजी मौज-मस्ती के लिए कर रहे हैं, जबकि राज्य के लोग बाढ़ से जूझ रहे हैं। स्वाति मालीवाल ने कहा, पंजाब सरकार आपके पालतू गुंडे बिभव कुमार के वेतन, भत्ते और सुरक्षा पर लाखों रुपये खर्च कर रही है। कल्पना कीजिए कि उनके जैसा व्यक्ति पंजाब के मुख्यमंत्री का मुख्य सलाहकार बन बैठा हो।

बेहद शर्मनाक! राज्यसभा सांसद की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने राज्य के बड़े हिस्से में आई भीषण बाढ़ की स्थिति का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राज्य के लिए लंबित 60,000 करोड़ रुपये तुरंत जारी करने का आग्रह किया है। राज्यसभा सांसद ने लिखा कि पंजाब के प्राइवेट जेट का इस्तेमाल अपने निजी मनोरंजन के लिए बंद कीजिए। राज्य के करोड़ों रुपये पहले ही आपकी विलासिता पर बर्बाद हो चुके हैं। पंजाब के हेलीकॉप्टर का टैक्सी की तरह इस्तेमाल करना बंद कीजिए। इस बीच, पंजाब के मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने राज्य के बड़े हिस्से में आई भीषण बाढ़ की स्थिति का हवाला देते हुए केंद्र सरकार से 60,000 करोड़ रुपये की बकाया राशि जारी करने का आग्रह किया है।

पंजाब आपका एटीएम नहीं

मालीवाल ने आगे हमला करते हुए कहा कि पंजाब आपका एटीएम नहीं है, न ही आपके नकारे गए नेताओं के लिए शरणस्थली। वैसे, छोटे-मोटे उद्घाटनों के लिए आप और आपके प्रतिनिधि पंजाब के राजाओं की तरह मैदान में घूमते हैं। लेकिन आज, जब इतनी बड़ी आपदा आई है, तो आप कहाँ हैं? आप लोगों के साथ ज़मीन पर क्यों नहीं हैं?

कांग्रेस की वोट चोरी की पुरानी आदत : भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» अमित मालवीय ने पवन खेड़ा के पास दो-दो वोटर कार्ड पर कांग्रेस को घेरा

नई दिल्ली। कांग्रेस के सीनियर लीडर राहुल गांधी के वोट चोरी का आरोप के बाद अब बीजेपी ने ही कांग्रेस पर वोट चोरी का आरोप लगाया है। बीजेपी ने पलटवार करते हुए कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा पर दो सक्रिय वोटर कार्ड रखने का आरोप लगाया है। जिसके चलते वो खुद वोट चोरी के असली गुनहगार हैं।

बीजेपी के आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने नई दिल्ली और जंगपुरा विधानसभा क्षेत्रों के वोटर लिस्ट की तस्वीरें शेयर करते हुए दावा किया कि पवन खेड़ा के पास दो सक्रिय EPIC नंबर हैं। मालवीय ने इसे गैर-कानूनी बताते हुए चुनाव आयोग से जांच की मांग की है। उनका कहना है कि क्या खेड़ा ने एक से ज़्यादा बार वोटिंग की, जो कि इलेक्शन नियमों का उल्लंघन है। मालवीय ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि जैसे सोनिया गांधी ने भारतीय नागरिक बनने से पहले वोटर लिस्ट में नाम दर्ज करवाया था, वैसे ही खेड़ा का दो वोटर कार्ड रखना कांग्रेस की वोट चोरी की पुरानी आदत को दिखाता है।

प्रधानमंत्री मोदी के बिहार दौरे पर फिर छिड़ी रार

विपक्ष ने भाजपा पर साधा निशाना, बिहार में भाजपा-जदयू भ्रष्टाचार के बने भागीदार : दिग्विजय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जैसे-जैसे बिहार में चुनाव की तरीख करीब आ रही है वहां की सियासत गरमा रही है। जहां पीएम मोदी बार-बार वहां का दौरै कर रहे हैं वहीं विपक्ष उन पर हमलावर है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने मंगलवार को बिहार में जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि जहाँ भी डबल इंजन की सरकार है, वहाँ भ्रष्टाचार एक धंधे की तरह फल-फूल रहा है।

उधर पीएम ने अपनी मां की गाली का मुद्द उठाकर कांग्रेस व राजी पर हमल बोल है। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि बीजेपी और जेडीयू बिहार में भ्रष्टाचार में भागीदार बन गए हैं। पटना में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, सिंह ने कहा कि जहाँ भी डबल इंजन की सरकार है, वहाँ भ्रष्टाचार एक धंधे की तरह चल रहा है। सत्ताधारी दल के नेता भ्रष्टाचार में लिप्त हैं...वे बिहार में भ्रष्टाचार में भागीदार बन गए हैं।

ये गालियां हर मां-बेटी का अपमान है : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बिहार राज्य जीविका निधि कोऑपरेटिव यूनियन लिमिटेड का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि कांग्रेस के मंच से उनकी माँ को गालियाँ दी जाएँगी। मोदी ने कहा कि माँ हमारा संसार है। माँ हमारा स्वाभिमान है। इस संस्कार संपन्न बिहार में कुछ दिन पहले जो हुआ, उसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी। बिहार में राजद-कांग्रेस के मंच से मेरी माँ को गालियाँ दी गईं। ये गालियाँ सिर्फ़ मेरी माँ का अपमान नहीं है। ये देश की माताओं, बहनों और बेटियों का अपमान है। मोदी ने साफ तौर पर कहा कि मैं जानता हूँ, आप सभी को, बिहार की हर माँ को, ये देखकर और सुनकर कितना बुरा लगा होगा! मुझे पता है, जितना दर्द मेरे दिल में है, उतना ही दर्द बिहार के लोगों को भी है। उन्होंने कहा कि मेरी माँ ने मुझे अपने से अलग कर दिया ताकि मैं आप जैसी करोड़ों माताओं की सेवा कर सकूँ। आप सब जानते हैं कि अब मेरी माँ जीवित नहीं हैं। कुछ समय पहले, 100 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद, वो हम सबको छोड़कर चली गईं। मेरी वो माँ, जिसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था, जो अब नहीं रही, उसे राजद और कांग्रेस के मंच से गालियाँ दी गईं। बहनों और माताओं, मैं आपके चेहरे देख सकता हूँ; मैं उस दर्द की कल्पना कर सकता हूँ जो आपने महसूस किया होगा। मैं कुछ माताओं की आँखों में आँसू देख सकता हूँ।

जल्द होगा भाजपा का पर्दाफ़ाश

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की हाइड्रोजन बम वाली टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया था कि इससे भाजपा का पर्दाफ़ाश होगा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि हाइड्रोजन बम का इंतज़ार कीजिए। सोमवार को, कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भाजपा को एक आसन्न खुलासे की चेतावनी देते हुए कहा कि वह जल्द ही वोट चोरी के अपने आरोपों पर एक हाइड्रोजन बम छोड़ेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि महादेवपुरा के बारे में जो दिखाया गया वह सिर्फ़ एक परमाणु बम था।मतदाता अधिकार यात्रा के अंतिम दिन एक सभा को संबोधित करते हुए, गांधी ने भाजपा पर तीखे हमले करते हुए कहा कि महात्मा गांधी की हत्या करने वाली ताकतें अब भारत के संविधान को नष्ट करने की कोशिश कर रही हैं। बिहार विधानसभा चुनाव इस साल अक्टूबर या नवंबर में होने की उम्मीद है, ऐसे में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच ज़ुबानी जंग जारी है। हालाँकि, भारत निर्वाचन आयोग ने अभी तक आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं की है।

सीएम सिद्धारमैया ने राष्ट्रपति से पूछा सवाल

» क्या आपको कन्नड़ आती है, राष्ट्रपति मुर्मू का जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैसूर। राष्ट्रपति की मैसूर यात्रा के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बीच भाषा पर एक दोस्ताना बातचीत ने ध्यान खींचा। यह बातचीत अखिल भारतीय वाणी एवं श्रवण संस्थान (एआईआईएसएच) के हीरक जयंती समारोह में हुई, जहाँ राष्ट्रपति मुख्य अतिथि थे।

राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए, सिद्धारमैया ने मुस्कुराते हुए पूछा कि क्या आप कन्नड़ जानते हैं? हँसते हुए कहा कि मैं कन्नड़ बोलता हूँ। इस सवाल पर दर्शकों में ठहाके गूंज उठे। अपने जवाब में,राष्ट्रपति मुर्मू ने स्वीकार किया कि कन्नड़ उनकी मातृभाषा नहीं है, लेकिन उन्होंने भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता के प्रति गहरी प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने कहा, मैं माननीय मुख्यमंत्री को बताना चाहूँगी कि हालाँकि कन्नड़ मेरी मातृभाषा नहीं है, फिर भी मैं अपने देश की सभी भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं का बहुत सम्मान करती हूँ। मैं उनमें से प्रत्येक का बहुत सम्मान करती हूँ। उन्होंने लोगों को अपनी मूल भाषाओं और परंपराओं को संरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि मैं धीरे-धीरे कन्नड़ सीखने का प्रयास ज़रूर करूँगी। राष्ट्रपति के इस भाषण पर दर्शकों ने तालियाँ बजाईं। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब कर्नाटक में भाषा संबंधी बहस एक बार फिर सुर्खियाँ बटोर रही है। इस साल की शुरुआत में सिद्धारमैया ने दैनिक जीवन में कन्नड़ के व्यापक उपयोग का आह्वान करते हुए कहा था कि कर्नाटक में रहने वाले सभी लोगों को यह भाषा बोलनी सीखनी चाहिए। उनके इस बयान पर विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रि या व्यक्त की और राज्य में भाषा नीतियों पर नए सिरे से बहस शुरू कर दी।

कर्नाटक में भाषा संबंधी मुद्दे लंबे समय से विवाद का विषय रहे हैं। कन्नड़ समर्थक समूह सरकारी, शिक्षा और सार्वजनिक साइनबोर्डों में कन्नड़ के अनिवार्य उपयोग की वकालत करते रहे हैं। दिसंबर 2023 में, कर्नाटक रक्षण वेदिके (केआरवी) ने बेंगलुरु में विरोध प्रदर्शन किया और बीबीएमपी के उस नियम को लागू करने की मांग की, जिसके तहत व्यावसायिक साइनबोर्डों पर 60त्न पाठ कन्नड़ में होना अनिवार्य है। स्थानीय ऑटो चालकों और गैर-कन्नड़ भाषी निवासियों या पर्यटकों के बीच भी इसी तरह के विवाद सामने आए हैं।

बाल-बाल बची 165 यात्रियों की जान

» पक्षी से टकराया इंडिगो का विमान, नागपुर में हुई लैंडिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर से कोलकाता जा रही इंडिगो की फ्लाइट बीच उड़ान के दौरान किसी पक्षी से टकरा गई। यह टकराव इतनी तेज थी कि फ्लाइट को यू-टर्न लेकर नागपुर वापस आना पड़ा। नागपुर एअरपोर्ट पर फ्लाइट की दोबारा लैंडिंग करवाई गई।

नागपुर एअरपोर्ट के वरिष्ठ अधिकारी ने आज सुबह इस घटना की जानकारी दी है। हादसे के बाद को नागपुर एअरपोर्ट पर फिर से लैंड करवाया गया। वहीं, बाद में इस फ्लाइट को रद कर दिया गया। नागपुर एअरपोर्ट के अधिकारी का कहना है कि फ्लाइट ने आज सुबह नागपुर से कोलकाता के लिए उड़ान भरी थी। मगर, उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद शायद विमान किसी पक्षी से टकरा गया।

सीएसआर ने बेटी के कविता पर गिराई गाज

» पार्टी से तत्काल प्रभाव से किया गया निलंबित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। पार्टी अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने के. कविता को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निलंबित करने का निर्णय लिया है। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने मंगलवार को अपनी एमएलसी के. कविता को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निलंबित कर दिया। यह निर्णय उनके पिता, तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने लिया।

उन्होंने अनुशासनात्मक कार्रवाई का कारण उनकी हालिया टिप्पणियों और गतिविधियों को बताया जो पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों के विरुद्ध थीं। बीआरएस ने ट्वीट किया कि पार्टी नेतृत्व इस मामले को गंभीरता से ले रहा है क्योंकि पार्टी एमएलसी के. कविता का हालिया व्यवहार और चल रही पार्टी विरोधी गतिविधियाँ बीआरएस पार्टी को नुकसान पहुँचा रही हैं। पार्टी अध्यक्ष

के. चंद्रशेखर राव ने के. कविता को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निलंबित करने का निर्णय लिया है। कविता का निलंबन बीआरएस के भीतर एक बड़ी घटना है, जो ऐसे समय में हुआ है जब पार्टी पहले से ही आंतरिक चुनौतियों से जूझ रही है। यह कदम हफ़्तों से बढ़ते तनाव के बाद उठाया गया है। निलंबन से ठीक एक दिन पहले, उन्होंने केसीआर की छवि खराब करने के लिए पार्टी के सहयोगियों पर खुलेआम आरोप लगाकर बीआरएस में खलबली मचा दी थी।

सूडान में भूस्खलन, हजारों की गई जान!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सूडान के पश्चिमी क्षेत्र दारफुर में भूस्खलन के कारण 1000 लोगों के मारे जाने की खबर है। इस देश पर नियंत्रण रखने वाले विद्रोही समूह- सूडान लिबरेशन मूवमेंट-आर्मी ने बताया कि कई दिनों की भारी बारिश के बाद तरासिन गांव में रविवार को भूस्खलन हुआ।

रिपोर्ट्स के मुताबिक ये गांव मध्य दारफुर के मर्राह पर्वतों के बीच है। इसे हाल के कुछ वर्षों की सबसे भयानक प्राकृतिक आपदा माना जा रहा है।

सूडान लिबरेशन मूवमेंट-आर्मी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तरासिन गांव में रहने वाले लगभग सभी लोगों की मौत हो चुकी है। केवल एक व्यक्ति ही जीवित बचा है। अनुमान है कि लगभग एक हजार लोग मारे गए हैं। गांव पूरी तरह से तबाह हो चुका है।

अफगानिस्तान में भूकंप से मरने वालों की संख्या 900 पहुंची

काबुल। अफगानिस्तान के पूर्वी पहाड़ी इलाके में आए 6.0 तीव्रता के भूकंप में मरने वालों का आंकड़ा 900 पहुंच गया है और करीब 3,000 लोग घायल हुए हैं। इस विनाशकारी भूकंप के कारण कई गांवों में घर पूरी तरह ढह गए थे और लोग घंटों तक मलबे में फंसे रहे। राहत और बचाव कार्य जारी है। मंगलवार को एक अधिकारी ने बताया कि इस हादसे में अब तक करीब 3,000 लोग घायल हुए हैं, और राहत टीमें मलबे के नीचे फंसे लोगों को निकालने में जुटी हैं। यह विनाशकारी भूकंप रविवार देर रात आया था और इसकी तीव्रता 6.0 मापी गई थी। यह भूकंप एक पहाड़ी क्षेत्र में आया था, जिससे कई गांवों में घर पूरी तरह ढह गए और लोग घंटों तक मलबे के नीचे दबे रहे। अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता यूसुफ हम्माद ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया, घायलों को निकाला जा रहा है, इसलिए यह आंकड़े अभी और भी बदल सकते हैं। उन्होंने बताया कि कुछ इलाकों में भूकंप के कारण भूस्खलन हुआ जिससे सड़कें बंद हो गई थीं। हालांकि अब कई सड़कों को फिर से खोल दिया गया है और बाकी रास्तों को भी जल्द खोलने की कोशिश की जा रही है, ताकि उन इलाकों तक पहुंचा जा सके जहां जाना अब भी मुश्किल है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** **डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।